=:: एक दिन वो भोले भंडारी बन करके बृज नारी गोकुल में आ गए है ::=-

एक दिन वो भोले भंडारी बन करके बृज नारी गोकुल में आ गए है |
पारवती भी मना के हारी, न माने त्रिपुरारी, गोकुल में आ गए है ||

पारवती से बोले बाबा में भी चलूँगा तेरे साथ में |
राधा संग श्याम नाचे, में भी नाचूँगा तेरे संग में |
रास रचेगा बृज में भारी, हमें दिखादे प्यारी ||
गोकुल में आ गये है -२ .....

ओ मेरे भोले स्वामी, कैसे ले जाऊ तोहे रास में |
मोहन के सिवा कोई, पुरुष न नाचे इस रास में |
हंसी करेगी बृज की नारी, मानो बात हमारी ||
गोकुल में आ गये है -२ .....

ऐसा सजा दे मुझको, कन्हैया न जाने मेरे राज को |
में हू सहेली तेरी, ऐसा बताना बृजराज को |
लगा के गजरा बाँध के साड़ी, चाल चले मतवाली ||
गोकुल में आ गये है -२ .....

ऐसी बजाई बंसी, सुधबुध भूले भोलेनाथ रे |
आ ही गये रे शंभू , समझ गये बृजराज रे |
सरक गई जब सिर से साड़ी, पूछता ये बनवारी ||
गोकुल में आ गये है -२ .....

बोल शंकर भगवान् की जय...
बोलो कृष्ण कन्हैया लाल की जय....
बोल नाथ जी महाराज की जय...